

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	आषाढ 14, शुक्रवार, शाके 1946-जुलाई 05, 2024 Asadha 14, Friday, Saka 1946- July 05, 2024	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग (क)**

**विज्ञप्ति**

**अधिसूचना**

**जयपुर, जून 07, 2024**

**संख्या प. 2(23)वन/2024 :-** चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचाने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फॉरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये, सरकार इसके द्वारा फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तिगत अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है। तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11(1) 12, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेख सम्पादित होने तक उक्त वनभूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी। और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष जो संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित (Reserved) हैं और पूर्वोक्त तारीख से

उक्त वन में पत्थरो को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,  
विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर भूमि)  
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची							
क्र.स.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा विवरण	विवरण		
					नाम ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल है0 में
1	रजवास बी	निवाई	टोंक	उत्तर दिशा ख.न. 570, 569	रजवास बी	1676/4	12.6464
				दक्षिण दिशा ख.नं. 807/1, 814			
				पूर्व दिशा ख.नं. 1676/5			
				पश्चिम दिशा में खं.नं. 571/1			
योग							12.6464 है0

(लक्ष्मी कान्त जैमन)  
वन प्रसार अधिकारी  
निवाई (टोंक राज.)

(मरिय शाइन ए. IFS)  
उप वन संरक्षक  
टोंक

**द्वितीय अनुसूची**  
**पेडों की सूची**

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Acacia Nilotica	देशी बबूल
2	Prosopis Cineraria	खेजड़ी
3	Capparis Decidua	कैर
4	Azadirachta indica	नीम
5	Acacia tortilis	इजरायली बबूल
6	Acacia senegal	कुमठा

(लक्ष्मी कान्त जैमन)

वन प्रसार अधिकारी

निवाई (टोंक राज.)

(मरिय शाइन ए. IFS)

उप वन संरक्षक

टोंक

**प्रारंभिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण-पत्र  
(जो लागू नहीं होता है) उसे काट दें)**

रेंज :- निवाई  
रक्षित वनखण्ड :- रजवास बी  
वन मंडल :- टोंक

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण क्रमशः गैर मुमकिन पहाड़ गैर मुमकिन नाखर/मंगरा/गैर कृषि पायती है जंगलात जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 07 में विस्तृत रूप से खसरा नं. का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य करवाया गया है/कराना है इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित/रक्षित वन घोषित करने के लिए लिये जिला कलेक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है तथा प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
3. वर्तमान में कुछ क्षेत्रों में क्रमशः 12.6464 है0 में प्ला. एवं अन्य विकास कार्य आगामी वर्षों में करवाया जाना है। इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं। भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।
4. भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 04-07 है तथा कुछ क्षेत्र में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियाँ देशी बबूल,कैर,खेजड़ी,नीम,इजरायली बबूल,कुमठा का लगभग प्रतिशत 5-10 क्रमशः है, तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है
5. प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन है प्रस्ताव संख्या FP/RJ/WATER/11042/2013 ईसरदा डेम निर्माण में प्रभावित हुई वन भूमि की एवज में खसरा ग्राम रजवास तहसील निवाई में कुल 12.6464 है0 गैर वन भूमि का आवंटन जिला कलेक्टर टोंक के द्वारा किया गया जो कि वन विभाग के खाते में दर्ज है। समीपवर्ती स्थित क्षेत्र राजस्व बंजर/चरागाह/खातेदारी/वन चरागाह, वन भूमि है चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वंछित मानचित्र नक्शों संलग्न हैं, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्वाही से इंगित किया गया है।
7. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

(लक्ष्मी कान्त जैमन)  
वन प्रसार अधिकारी  
निवाई (टोंक राज.)

(मरिय शाइन ए. IFS)  
उप वन संरक्षक  
टोंक

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।